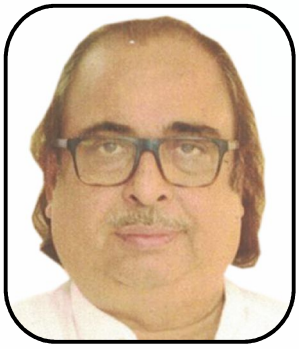

PT. TEJENDRA NARAYAN MAJUMDAR

Pt. Tejendra Narayan Majumdar is one of the foremost icons of Sarod who is globally revered as one of the finest contemporary maestros propagating Indian Classical Music in concerts and festivals across the globe. He is also an extremely popular music composer who has been composing scores in numerous movies, documentaries, theatres, dance dramas, nonfilm audio albums and television commercials for the last 5 decades.

2. Born on 17th May, 1961, Pt. Majumdar's early initiation into music was by his grandfather, Shri Bibhuti Ranjan Majumdar and later his father, Shri Ranjan Majumdar, who was a Sitarist. He got further training by the Sarod Maestro Ustad Bahadur Khan, Pandit Amaresh Chowdhury and Shri Anil Palit. Eighteen years of intensive study under Ustad Bahadur Khan matured his talent into a true genius. After the demise of his guru, he studied under Shri Ajay Sinha Roy and the Sarod Legend Padma Vibhushan Awardee Ustad Ali Akbar Khan. One of the best equipped maestros to carry on the great Senia Maihar Gharana mantle, Pt. Tejendra combines the intellectual density and technical virtuosity of his gharana, with an extraordinary tone, touch and an ambient melody. His repertoire combines elements from the Dhrupad, Tantrakari as well as Gayaki styles of music.

3. Pt. Majumdar is a regular face in almost all the prestigious classical music festivals all across India. He was invited by the Sitar Legend Pandit Ravi Shankar to perform at the Hollywood Bowl, Hollywood, Los Angeles, USA, in 2009. He has performed in the prestigious global festivals and venues such as - Madisson Square Garden, USA; World Trade Center - The Twin Towers, USA; Swar Sammelan, Esplanade Theatres, Singapore; Theatre de la Ville, France; 50 Years Celebration of Sangeet Natak Academy, Egypt; WMI Festival, Symphony Space, USA; Chicago Symphony Hall, USA, Massachusetts Institute of Technology, USA; Stanford University, USA; University of California, Los Angeles, USA; Emory University, USA; University of Illinois, USA; Duke University, USA; University of Toronto, Canada; University of Georgia - Athens, USA, University of Columbia, New York, USA; Cornell University, USA, among others.

4. Pt. Majumdar is the Founder and Head of Shreeranjani Foundation Trust, which has been actively organizing Indian Classical Music & Dance Festivals across India under the name of Swara Samrat Festival since 2013. His brilliance and popularity as a classical artist has not dimmed his interest in composing, arranging and experimenting in other areas of music. One of his composed and arranged music albums "SOUL CALL-OM NAMO NARAYANA" had been nominated for the 2010 GRAMMY AWARDS.

5. Pt. Majumdar's recognition came as early as in 1981, when he stood First in the All India Radio Music Competition and was awarded the President's Gold Medal and the Pandit D.V. Paluskar Award. He is also a Top Grade artist of All India Radio & Doordarshan. The Government of India has honoured him with Sangeet Natak Akademi Award (in 2019). The Government of West Bengal also has awarded him Sangeet Mahasamman (in 2014) and Banga Bhushan (in 2015).

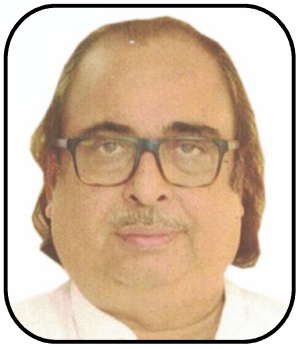

पं. तेजेन्द्र नारायण मजुमदार

पं. तेजेंद्र नारायण मजुमदार सरोद के अग्रणी शख्सियतों में से एक हैं, जिन्हें विश्व स्तर पर संगीत समारोहों और त्यौहारों में भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रचार करने वाले बेहतरीन समकालीन उस्तादों में से एक के रूप में सम्मानित किया जाता है। वह बेहद लोकप्रिय संगीतकार भी हैं, जो पिछले 5 दशकों से कई फिल्मों, वृत्तचित्रों, थिएटरों, नृत्य नाटकों, गैर–फिल्मी ऑडियो एल्बमों और टेलीविजन विज्ञापनों में संगीत रचना कर रहे हैं।

2. 17 मई 1961 को जन्मे, पं. मजुमदार को संगीत की प्रारंभिक दीक्षा उनके दादा श्री बिभूति रंजन मजुमदार और बाद में उनके पिता श्री रंजन मजुमदार से मिली, जो सितार वादक थे। उन्होंने सरोद वादक उस्ताद बहादुर खान, पंडित अमरेश चौधरी और श्री अनिल पालित से आगे का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उस्ताद बहादुर खान के अधीन अठारह वर्षों के गहन अध्ययन ने उनकी प्रतिभा को एक सच्चे प्रतिभाशाली व्यक्ति में बदल दिया। अपने गुरु के निधन के बाद, उन्होंने श्री अजय सिन्हा रॉय और सरोद दिग्गज पद्म विभूषण पुरस्कार विजेता उस्ताद अली अकबर खान के अधीन अध्ययन किया। महान सेनिया मैहर घराने को आगे बढ़ाने वाले सबसे सुसज्जित उस्तादों में से एक, पं. तेजेन्द्र ने अपने घराने की बौद्धिक गहराई और तकनीकी कुशलता को असाधारण स्वर, स्पर्श और परिवेशगत माधुर्य के साथ संयोजित किया है। उनके संगीत में ध्रुपद, तंत्रकारी के साथ–साथ गायकी संगीत शैलियों के तत्व सम्मिलित हैं।

3. पं. मजुमदार भारत भर के लगभग सभी प्रतिष्ठित शास्त्रीय संगीत समारोहों में एक नियमित चेहरा हैं। सितार दिग्गज पंडित रवि शंकर ने उन्हें वर्ष 2009 में हॉलीवुड बाउल, हॉलीवुड, लॉस एंजिल्स, यूएसए में प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया था। उन्होंने अन्य प्रतिष्ठित वैश्विक समारोहों और स्थलों में प्रदर्शन किया है जैसे – मैडिसन स्क्वायर गार्डन, यूएसए; वर्ल्ड ट्रेड सेंटर – द ट्विन टावर्स, यूएसए; स्वर सम्मेलन, एस्प्लेनेड थियेटर्स, सिंगापुर; थिएटर डे ला विले, फ्रांस; संगीत नाटक अकादमी के 50 वर्ष का जश्न, मिस्र; डब्ल्यूएमआई फेस्टिवल, सिम्फनी स्पेस, यूएसए; शिकागो सिम्फनी हॉल, यूएसए; मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए; स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए; यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स, यूएसए; एमोरी यूनिवर्सिटी, यूएसए; यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस, यूएसए; ड्यूक यूनिवर्सिटी, यूएसए; यूनिवर्सिटी ऑफ टोरंटो, कनाडा; यूनिवर्सिटी ऑफ जॉर्जिया –एथेंस, यूएसए, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलंबिया, न्यूयॉर्क, यूएसए; कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, यूएसए ।

4. पं. मजुमदार श्रीरंजनी फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक और प्रमुख हैं, जो वर्ष 2013 से स्वर सम्राट फेस्टिवल के नाम से पूरे भारत में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य महोत्सवों का सक्रिय रूप से आयोजन करता रहा है। एक शास्त्रीय कलाकार के रूप में उनकी प्रतिभा और लोकप्रियता ने संगीत के अन्य क्षेत्रों में रचना, संयोजन और प्रयोग करने में उनकी रुचि को कम नहीं किया है। उनके द्वारा रचित और संयोजित संगीत एल्बमों में से एक "सोल कॉल– ओम नमोह नारायणय" को वर्ष 2010 के ग्रैमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया था।

5. पं. मजुमदार को पहचान वर्ष 1981 में ही मिल गई थी, जब वह ऑल इंडिया रेडियो संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आए और उन्हें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक और पंडित डीवी पलुस्कर पुरस्कार दिया गया। वह ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के शीर्ष श्रेणी के कलाकार भी हैं। भारत सरकार ने उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (वर्ष 2019 में) से सम्मानित किया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने भी उन्हें संगीत महासम्मान (वर्ष 2014 में) और बंग भूषण (वर्ष 2015 में) से सम्मानित किया है।